Roll No. ..... Total Pages: 04

1117

I[st] YEAR ARTS EXAMINATION, 2019

हिन्दी साहित्य

द्वितीय प्रश्न पत्र

गद्य

Time: Three Hours

Maximum Marks: 100

PART – A (खण्ड – अ) *[Marks: 20]*

Answer all questions (50 words each).

All questions carry equal marks.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART – B (खण्ड – ब) *[Marks: 50]*

Answer five questions (250 words each).

Selecting one from each unit. All questions carry equal marks.

*प्रत्येक इकाई से **एक–एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए।*

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART – C (खण्ड – स) *[Marks: 30]*

Answer any two questions (300 words each).

All questions carry equal marks.

*कोई **दो प्रश्न** कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।*

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड– अ

प्र.1 (क) 'अलख आजादी की' नाटक की रचना किस अवसर पर की गई?

(ख) 'हेक्टर' नामक जहाज़ द्वारा भारत पहुँचने वाला प्रथम अंग्रेज कौन था?

(ग) 'बनाम लार्ड कर्जन' के निबन्धकार बालमुकुन्द गुप्त ने स्वयं के लिए किस नाम का प्रयोग किया है?

(घ) 'छायावाद' निबन्ध के लेखक का नाम बताइए।

(ड) 'अस्ति की पुकार हिमालय' निबन्ध के निबन्धकार का नाम लिखिए।

(च) 'साहित्य में आत्माभिव्यक्ति' निबंध किन प्रसिद्ध इतिहास लेखक द्वारा लिखा गया है?

(छ) नाट्य विधा में रंगमंच व अभिनय का क्या महत्व है?

(ज) भारतेन्दु हरिशचन्द्र के किन्हीं दो नाटकों के नाम लिखिए।

(झ) शुक्ल युगीन निबन्धों की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

(ञ) आपकी पाठ्य – पुस्तक में संकलित किन्हीं दो ललित निबंधों के नाम लिखिए।

खण्ड– ब

इकाई – I

प्र.2 सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

''सन् 1500 ई. में पुर्तगालियों ने कालीकट में व्यापारिक कोठी बनाई।.....तीन साल बाद उसे किले में परिवर्तित किया.....और सन् 1506 में गोआ नगर पर कब्ज़ा किया..... सन् 1510 तक पहुँचते – पहुँचते पुर्तगालियों ने अपने आश्रयदाता राजा जमोरिन से ही झगड़ा कर लिया। .....उसके राजमहल में आग लगा दी तथा नगर को जम कर लूटा।.....केवल बारह साल पहले इन परदेशियों पर एहसान करने का यह फल मिला उदार हिन्दू राजा जमोरिन को.....''

अथवा

''यही नहीं। अब तो ये गोरे हमारा धर्म भ्रष्ट करने पर ही तुल गए हैं। फौज को जो नए कारतूस दिए जा रहे हैं, उनमें चर्बी लगी होती है.....पता नहीं वह गाय की चर्बी है.....या सुअर की। बिना दाँत लगाए कारतूस खुलेगा नहीं..... धरम गँवाना हो तो लगाओ मुँह में।''

इकाई – II

प्र.3 सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

''दरबार समाप्त होते ही वह दरबार – भवन, वह एम्फीथियेटर तोड़कर रख देने की वस्तु हो गया। उधर बनाना, इधर उखाड़ना पड़ा। नुमायशी चीजों का यही परिणाम है। उनका तितलियों का–सा जीवन होता है। माई लार्ड! आपने कछाड़ के चाय वाले साहबों की दावत खाकर कहा था कि यह लोग यहाँ नित्य हैं और हम लोग कुछ दिन के लिए। आपके वह 'कुछ दिन' बीत गए। अवधि पूरी हो गई। अब यदि कुछ दिन और मिलें तो वह किसी पुराने पुण्य के बल से समझिए।''

अथवा

''गिलहरी, यानी हमारी गिलहरी भारतीय गिलहरी, या कह लीजिए कि रामजी की गिलहरी, क्योंकि विलायती लाल गिलहरी पर रामजी ने हाथ फेरा होता तो क्या उस पर धारियां न होती?

जिससे परिणाम निकलता है कि रामजी भारतवासी थे और भारत पुण्य – भूमि है, नहीं तो विलायत में सादी लाल गिलहरी और यहाँ धारीदार क्यों होती?''

इकाई – III

प्र.4 सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

''भक्ति – आंदोलन से जो भावात्मक एकता स्थापित हुई, उसमें जितना फैलाव था, उतनी गहराई भी थी। यह एकता समाज के थोड़े से शिक्षित जनों तक सीमित नहीं थी। संस्कृत के द्वारा जो राष्ट्रीय एकता कायम हुई थी उससे यह भिन्न थी। इसकी जड़े नगरों और गाँवों की अपढ़ जनता के बीच गहरी चली गई थी।''

अथवा

''कहने का तात्पर्य यह नहीं कि हमारे देश में लोकतन्त्र है ही नहीं या बिल्कुल असफल है। लोकतन्त्र यहाँ है, पर कुछ ऐसे अस्पष्ट उलझे और रंग – बिरंगे मुखौटे पहने है कि इसकी सच्चाई हमारे विश्वास को प्रेरणा नहीं दे पा रही है। यह हमारी आत्मा और हमारे जीवन को ऐसा दृढ़ मूल नहीं बना पा रहा है और सारी तसवीर प्रेरणाहीन, मामूली, लचर, किसी तरह जीती हुई, अब – तब की हालत में जान पड़ती है।

इकाई – IV

प्र.5 भारतेंदुयुगीन नाटकों की प्रमुख विशेषताएँ रेखांकित कीजिए।

अथवा

प्रसादोत्तर प्रमुख नाटककारों व उनकी कृतियों का परिचय दीजिए।

इकाई – V

प्र.6 हिन्दी निबंध की विकास यात्रा पर प्रकाश डालिये।

अथवा

प्रमुख ललित निबंधकारों व उनकी कृतियों का परिचय दीजिए।

खण्ड– स

प्र.7 ''अलख आजादी की' नाटक भारतीय शासकों की दुर्बलताओं को प्रकट करते हुए भविष्य की समस्याओं की ओर सचेत करता है'' कथन की समीक्षा कीजिए।

प्र.8 नाटकीय तत्वों के आधार पर 'अलख आजादी की' नाटक की समीक्षा कीजिए।

प्र.9 'करूणा' निबंध की समीक्षा कीजिए।

प्र.10 'अस्ति की पुकार–हिमालय' निबन्ध में अभिव्यक्त विचारों पर प्रकाश डालिए।